

शाम् 2. pl. (निम्) शशास्. (उद्) शशाधि; शशास, aor. अशिशत् P. 3, 1, 56. 6, 4, 34. 8, 3, 60. Vop. 8, 38. 9, 36. शासिष्यति; mod. s. u. छा, episch auch sonst; शासितुम् (R. RĪĀ-TAR. Būg. P.) und शास्तुम् (MBu. R.); शासित्वा und शिष्टा, शिष्य und शास्य; pass. शिष्यते (शिष्ये häufig fehlerhaft für शिष्ये von शी) und शास्यते; partic. शिष्ट (s. bes.), शासित und शास्त (MBu.). 1) *zurechtweisen, strafen* (mit Worten): बर्हिष्मते रन्धया शामद्वतान् RV. 1, 31, 8. शामस्तमिन्द्र मर्त्यमयेष्युम् 131, 4. यन्मा पितेर्व कित्वं शाशाम 2, 29, 5. SV. I. 4, 1, 8, 6. züchtigen, strafen überh. M. 4, 175, 8, 29. 314. 316 (अ-शासित्वा). तस्करान् 9, 254. 272. 11, 31. MBu. 3, 14882. 14888. 5, 3542. R. 3, 53, 39. Kīm. Nitis. 6, 6. Būg. P. 1, 17, 16. 18, 35. pass. शास्यताम् HARIV. 4754. R. 6, 16, 85. शासित HIT. 63, 18. — 2) *in Zucht —, im Zaum halten*: दण्डः शास्ति प्रजाः सर्वाः Spr. (II) 2688. दोषान्तिपति चान्येषां नात्मानं शास्तुमिच्छति MBu. 11, 118. R. 5, 76, 17. 7, 84, 12. Būg. P. 4, 13, 42. धर्म राजा साधु यः शास्ति so v. a. *handhaben* Spr. (II) 3130. स-त्यव्रतशासित *im Zaum gehalten* R. 4, 6, 24. मुशसिता स्त्री Spr. 3266. — 3) *herrschen über, beherrschen*: मनोः प्रजा धर्मेण शासतः MBu. 13, 1945. KATHIS. 11, 1. प्रसेनान् HARIV. 9110. शास्ति यद्याज्ञया राज्ञः स सम्राट् AK. 2, 8, 4, 3. H. 690. भूमिम् पृथिवीम् u. s. w. MBu. 12, 513. HARIV. 14408. R. 2, 33, 10. 37, 27. 29. 5, 37, 18. MĀRĪ. 178, 1. RAGH. 1, 30. 10, 1. ÇĀK. 24. VARĀH. BṚH. S. 8, 30. 13, 3 (= RĪĀ-TAR. 1, 56). BṚH. 11, 8. KATHIS. 3, 77. Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 7, 26, Çl. 14. RĪĀ-TAR. 3, 242. 4, 7. Būg. P. 1, 10, 3. 16, 1. 3, 1, 20. 13, 11. 24, 25. 4, 12, 13. 21, 7. 9, 16, 11. 12, 1, 9. BHATT. 3, 53. त्रिनाकम् Būg. P. 6, 13, 16. 8, 1, 18. अशा-सत्सकलं जगत् 23, 4. पुरीषोऽध्याम् R. 1, 6, 26. तौ पथवरदाकुले (acc.) शिष्टमुत्तरदन्तिणो MĀLAV. 88. राष्ट्रम् RĪĀ-TAR. 2, 116. अगस्त्यशास्तां दि-शम् MBu. 5, 4876. राखं शाम् *als Fürst regieren* MBu. 3, 3066. R. 4, 8, 54. RAGH. 14, 85. 19, 57. KATHIS. 34, 210. 31, 65. 54, 238. 58, 110. 62, 166. RĪĀ-TAR. 1, 353. 7, 618. स शास्ति चिरमैश्वर्यम् R. 6, 11, 10. ohne obj. *regieren*: तस्मिन् शासति भूपते MĀRĪ. P. 116, 76. — 4) *Jmd einen Befehl erteilen, Jmd anweisen, als Gebieter zu Jmd reden* MBu. 1, 97. R. 2, 23, 41. 30, 38. 32, 40 (45 GORR.). 82, 30. 105, 8 (wohl शास्ति st. शाधि zu lesen). R. GORR. 1, 30, 24. 6, 16, 85. RAGH. 12, 34. 15, 79. KUMĀRAS. 6, 24. KATHIS. 20, 94. Būg. P. 3, 13, 9. 23, 27. आर्क्षुमन्यानिषत् BHATT. 9, 68. एकः कर्मसु शिष्यते PRAB. 110, 13. *anbefehlen*: स्वयं शाधि यत्ते वि-धानम् MBu. 14, 280. शासित R. 7, 108, 27. KATHIS. 18, 35. — 5) *unter-weisen, belehren* NITIS. 3, 4. RV. 3, 1, 2. 31, 1. 8, 34, 1. 9, 102, 4. कविं शं-शामुः क्वयो ऽद्वेद्याः 10, 42, 12. 52, 1. 93, 11. नापितं शिष्यात् ĀCV. GĀHJ. 1, 17, 17. ÇAT. Br. 13, 1, 4. KĀTJ. ÇR. 6, 8, 1. शिष्यस्ते ऽहं शाधि माम् BṚH. 2, 7. Spr. (II) 720. शास्त्रं न शास्ति दुर्बुद्धिं श्रेयसे चेतसा च (I) 8072. mit doppeltem acc.: माणवकं धर्मं शास्ति SIDDH. K. 35, 6, 2. Spr. 3088. BHATT. 6, 10. गुरुभिः शितितो ऽपि न शिष्यसे त्वम् (शितितस्त्वम् ed. Bomb.) lässt dich nicht belehren PĀNĀT. 94, 20. सर्वशास्त्रेषु सूतस्तु व्यासशासितः Verz. d. Oxf. H. 9, 6, 15. fg. 15, a, 10. Vgl. मातृशासित. — 6) *etwa tadeln, verwerfen*: गावो यच्छासन्वक्तुं न धेनवः RV. 10, 32, 4. — 7) *= शंस prei-zen*: यो ऽकार्यं कार्यवच्छास्ति Spr. (II) 5386. *verkünden, beichten*: स्व-मेनः M. 11, 82. *berichten, mittheilen*: तस्मिन्नायोधनं वृत्तं लक्ष्मणायाशि-षत् BHATT. 6, 27. *verkündigen, vorhersagen*: विप्रव्यथां गोकर्णं च शा-स्ति (छा) VARĀH. BṚH. S. 89, 5. अग्निभयम् 90, 5.

— caus. शामयति, अशशासत् P. 7, 4, 2. Vop. 8, 111. 18, 1.
— अनु 1) *anweisen, belehren, den Weg zeigen, eine Weisung erteilen, Verhaltungsmaassregeln geben, instruieren*: यो अज्ञसानुशासति RV. 6, 54, 1. पृथेव यत्तावनुशासता राज्ञः 1, 139, 4. ÇAT. Br. 11, 5, 8, 7, 14, 6, 44, 1. MAITREJUP. 4, 1. आचार्यो ऽस्तेवासिनमनुशास्ति TAITT. UP. 1, 11, 1. NṢ. TĀP. UP. in Ind. St. 9, 163. MBu. 1, 3884. 2, 1446. 3, 11424. अन्वशासत् पुत्रवद्वर्तमानं 11550. 11911. न चानुशिष्याद्राज्ञानमप्युक्तम् 4, 98. 5, 1562. 7, 2819. 10, 612. 13, 7494. R. 2, 103, 12. 111, 19. 25. R. GORR. 2, 23, 25. 38, 39. 3, 71, 14. KUMĀRAS. 5, 5. ÇĀK. 71, 9. VIKR. 70, 13. Būg. P. 5, 3, 15. अयान्वशा-सत्कुलम् — आरुक्तेमो शमी वीर धनूंषेतानि नितिप MBu. 4, 169. 1318. HARIV. 11244. R. 2, 36, 24. 81, 11. 96, 35. R. GORR. 2, 12, 23. 61, 29. RĪĀ-TAR. 4, 310. LA. (III) 92, 10. अनुशाधि किंकरान् Būg. P. 7, 8, 48. अनु-शास्य absol. R. 3, 76, 37. 5, 1, 10. Būg. P. 4, 11, 35. 5, 5, 28. 9, 6. *als höher Stehender zu Jmd reden* R. 2, 90, 15. VIKR. 86, 19. fg. mit acc. der Sache *Etwas lehren* KENOP. 3. Verz. d. Oxf. H. 208, a, No. 489. Būg. P. 1, 3, 15. 2, 7, 21. *angeben*: अनु म एतो भगवो देवतां शाधि यो देवतामुपास्ते KĀND. UP. 4, 2, 2. *anbefehlen*: अश्वानां प्रतिपानं च खादनं चैव R. 2, 30, 33 (47, 24 GORR.). mit doppeltem acc. *Jmd Etwas lehren*: माणवकं धर्म-मनुशास्ति P. 1, 4, 51. Schol. गोपालान्वशात्केलीन् Vop. 5, 6. आरण्यमु-पाध्यानं यत्र धर्मो ऽन्वशात्सुतम् MBu. 1, 477. Būg. P. 5, 4, 15. अनुज्ञमनु-शास्य दर्शनम् R. 2, 21, 63. *Jmd Etwas anweisen, anbefehlen*: करिष्ये स-र्वमेवाहमार्गं यदनुशास्ति माम् R. 2, 39, 27. pass. *gelehrt werden*: लौ-किकाः शब्दा अनुशिष्यते SARVADARÇANAS. 133, 16. 156, 10. SĀH. D. 272, 15. नानिष्टे अनुशास्यते *wird belehrt* R. 3, 14, 23. partic. a) अनुशिष्ट a) *be-lehrt, unterwiesen, angewiesen, instruiert* RV. 5, 2, 8. त्रेत्रविद्वानुशिष्टः 10, 32, 7. AV. 19, 56, 4. ÇAT. Br. 14, 4, 3, 26. 9, 4, 1. 5. Spr. (II) 491. R. GORR. 2, 27, 22. 30, 32. 4, 45, 7. RAGH. 6, 59. 13, 75. ÇĀK. zu BṚH. ĀR. UP. S. 304. RĪĀ-TAR. 5, 400. MĀRĪ. P. 36, 1. DAÇAK. 79, 4. Būg. P. 3, 22, 7. अनुशिष्टेन हि भाव्यं पितुः (vom Vater) पुत्रेण 5, 9, 4. 10, 12, 14. *angeredet* (von einem Gebieter) 6, 6, 3. mit acc. der Sache: पाणिपक्षकाले च पत्पुरा पावकातरे । अनुशिष्टा जनन्या हि तच्च मे हृदि वर्तते ॥ R. 3, 3, 8. R. SCHL. 2, 27, 10. — b) *gelehrt, mitgetheilt*: एष धर्मो ऽनुशिष्टा वः M. 6, 86. KUMĀRILA bei MÜLLER, SL. 80. SARVADARÇANAS. 153, 20. सो ऽप्येना-नुशिष्टार्थः R. 4, 31, 9. — b) अनुशास्त *belehrt, unterwiesen* MBu. 12, 11818. Verz. d. Oxf. H. 11, 6, 18 v. u. — c) अनुशासित *belehrt* Būg. P. 2, 5, 8. 4, 20, 17. — 2) *herrschen über, beherrschen*: कुत्रनसपत्नो (so ed. Bomb.) ऽनुशिष्याम् MBu. 5, 914. प्रजाः HARIV. 11234. R. 2, 106, 26. KATHIS. 18, 32. 27, 55. पुरीजनम् BHATT. 20, 17. वसुंधराम्, मेदिनीम् u. s. w. MBu. 1, 3978. 12, 2594. 2828. 14, 559. R. 2, 110, 37 (119, 34 GORR.). RĪĀ-TAR. 1, 191. 286. Būg. P. 5, 1, 23. राष्ट्रम् MBu. 2, 179. अयोध्याम् R. GORR. 1, 80, 25. त्रिदिवम् 7, 30, 50. त्रीँल्लोकान् MBu. 13, 3904. अगस्त्यगुप्तामाशाम् HARIV. 6391. स्वराज्यम्, राज्यम् MBu. 1, 4124. 2, 2434. 3, 8832. R. 2, 106, 23. R. GORR. 1, 45, 55. 58, 6. KATHIS. 49, 7. — 3) *bestrafen*: स्वकर्म व्याप-यन्म्यान्मो भवाननुशास्ति M. 11, 99. — 4) *vollziehen*: तीरितं चानुशिष्टं च यत्र कचन यद्वेत् । कृतं तद्धर्मतो विश्वाव तद्दूयो निवर्तयेत् ॥ M. 9, 283. — 5) *preisen, loben*: ऋग्भिर्मनुशासति MBu. 13, 1084. nach NILAK. ist अनुशंसति die richtige Lesart. — Vgl. अनुशासन fgg.
— अन्यनु *angeben, bezeichnen, nennen*: अन्यमन्यनुशासानि *ich will*